Lecture No - 02

(1)

Name of the College - APSM College, Barauni, Begusarai.
Name - Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt. - AIH & C
Date - 07-04-2021
Lession/plan — B.A, AIH&C (H) part-I, paper-I

Name of the topic - Later Invasions - Gazani unit-1 continue

महमूद गजनवी - भारत में तुर्की साम्राज्य की स्थापना में महमूद गजनवी का योगदान

Introduction — आठवीं शताब्दी में होने वाले अरबी आक्रमणों के बाद लगभग 275 वर्ष तक भारत इस्लामी आक्रमणों का सिलसिला पुनः प्रारंभ हुआ। आक्रमण करने वाले अरबीन होकर तुर्क थें। भारत पर जिस तुर्की ने सबसे पहले आक्रमण किया उसका नाम सुबुक्तगीन था। वह अलप्तगीन का गुलाम व दामाद था। इसके बाद मोहम्मद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया। महमूद गजनवी ने भारत की धार्मिक आस्थाओं पर भी आघात लगाया और बहुत सारा धन लूट कर ले गया। यह कुशल योद्धा और योग्य सैनिक था। इसके बाद मोहम्मद गोरी ने भारत पर आक्रमण किया यह महत्वाकांक्षी था, जब गजनी का शासक बना तो उसने भारत पर आक्रमण करके मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में अपना साम्राज्य स्थापित करना था। और यह अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ। तुर्कों के आक्रमण से भारत को निर्धनता का सामना करना पड़ा और संस्कृति, परम्पराएँ छिन्न-भिन्न होने लगी। इस प्रकार तुर्की आक्रमणों से भारत को

P.T.O

Scanned with CamScanner

बहुत बड़ी क्षति का सामना करना पड़ा।

→ महमूद गजनवी, सुबुक्तगीन का पुत्र था, और अपने पिता की मृत्यु के बाद 997 ई. में वह गजनी के सिंहासन पर बैठा।

→ महमूद गजनवी ने भारत पर 1001 ई. से 1027 ई. के बीच 17 बार आक्रमण किया था।

→ उसके आक्रमणों का उद्देश्य यहाँ के धन को लूटना एवं इस धन की सहायता से मध्य एशिया में विशाल साम्राज्य की स्थापना करना था।

→ उसने सीस्तान के राजा को पराजित कर खलीफा की स्वीकृति नहीं मिली तथापि खलीफा ने यमीनुद्दौला (साम्राज्य का दाहिना हाथ) व अमीन उलमिल्लत (मुसलमानों का रक्षक) उपाधि देकर सम्मानित किया।

→ उसने पंजाब के हिन्दुशाही वंश के शासक जयपाल को वैहिन्द की प्रथम लड़ाई (1001 ई.) में पराजित किया।

→ वैहिन्द की द्वितीय लड़ाई (1008 ई.) में उसने हिन्दुशाही वंश के ही आनन्दपाल को हराया था।

→ उसने थानेश्वर, कन्नौज, मथुरा सोमनाथ नगरों को विध्वंस कर दिया था।

→ 1025 ई. में उसका सोमनाथ के शिव मन्दिर पर आक्रमण सबसे प्रसिद्ध है। उसने गुजरात के काठियावाड़ में समुद्र किनारे स्थित सोमनाथ मंदिर से भारी मात्रा में सम्पत्ति लूटी थी।

→ महमूद गजनवी ने अन्तिम आक्रमण 1027 ई. में आगरा के निकट मेरा के दुर्ग पर किया था।

→ महमूद गजनवी को भारतीय इतिहास में 'बुतशिकन' (मूर्तिभंजक) के नाम से जाना जाता है।

→ महमूद गजनवी के साथ अरबी लेखक

Scanned with CamScanner

अलबरूनी भारत आया था। वह फिरदौसी का समकालीन था। [illegible] [illegible] [illegible] था।

→ महमूद गजनवी के दरबारी कवि

(1) राजकवि फिरदौसी (शाहनामा) तथा [illegible]
(2) अलबरूनी — किताब-उल-हिन्द
(3) उतबी — (तारीख-ए-यामिनी) [illegible]

महमूद गजनवी के भारत पर 17 आक्रमण

आक्रमण प्रदेश	आक्रमण वर्ष	आक्रमण वाले प्रदेश के शासक
(1) पंजाब सीमावर्ती दुर्ग	1000 ई.	हिन्दुशाही राजा जयपाल
(2) पेशावर	1001 ई.	हिन्दुशाही राजा जयपाल
(3) भटिण्डा	1004 ई.	विजयराय
(4) मुल्तान	1006 ई.	अबुल फतह दाऊदी
(5) मुल्तान	1007 - 1008 ई.	सुखपाल
(6) वैहिन्द (पेशावर)	1008 - 1009 ई.	हिन्दुशाही राजा आनन्दपाल
(7) नारायणपुर अलवर	1009 ई.	स्थानीय अज्ञात शासक
(8) मुल्तान	1010 ई.	सुखपाल
(9) थानेश्वर	1013 - 1014 ई.	राजाराम
(10) नन्दन	1014 ई.	त्रिलोचनपाल
(11) कश्मीर	1015 - 1016 ई.	संग्राम लोहार
(12) मथुरा व कन्नौज	1018 - 1019 ई.	प्रतिहार राज्यपाल
		लाहौर शासक भी त्रिलोचनपाल
(13) कालिंजर	1019 ई.	[illegible] शासक
(14) कश्मीर	1021 ई.	

(15) ग्वालियर व कालिंजर – 1022 ई. – गण्ड चंदेल

(16) सोमनाथ मंदिर – 1025 ई. – 1026 ई. – भीमदेव

(17) सिंध के जाट – 1027 ई. – जाट शासक ।

उत्तरी भारत के प्रमुख राज्य

तुर्कों के आक्रमण के समय उत्तरी भारत के प्रमुख राज्य निम्नलिखित थे ।

(1) सिन्ध और मुल्तान (2) हिन्दुशाही राज्य
(3) काश्मीर (4) कन्नौज (5) बुन्देलखंड
(6) मालवा (7) गुजरात (8) बंगाल (9) शाकम्भरी
(10) अजमेर के चौहान । दक्षिण के राज्य

(1) सिन्ध और मुल्तान :- महमूद गजनवी के आक्रमण के समय सिन्ध और मुल्तान में मुसलमानों का शासन था । इन मुस्लिम राज्यों की सहानुभूति तुर्क आक्रमणकारियों के साथ थी । महमूद गजनवी के आक्रमण के समय फतह दाऊद मुल्तान का शासक था । वह कामाथी सम्प्रदाय का शासक था 1005 – 06 ई. में महमूद गजनवी ने फतह दाऊद को पराजित कर नवासा शाह नामक व्यक्ति को मुल्तान की गद्दी पर बैठा दिया । अन्त में 1010 ई. में महमूद गजनवी ने मुल्तान को जीत कर कामाथी मुसलमान शासक बने रहे थे । P.T.O.

② **हिन्दुशाही राज्य** :- भारत के सुदूर उत्तर-पश्चिम में हिन्दुशाही वंश का राज्य था, जो चिनाब नदी से हिन्दुकुश पर्वत तक फैला हुआ था। तुर्कों के सभी आक्रमणों का सामना इसी हिन्दुशाही राज्य को करना पड़ा। हिन्दुशाही राज्य के शासकों की लगभग जयपाल हिन्दु-शाही राज्य का शासक था। यद्यपि उसने तुर्कों का वीरतापूर्वक मुकाबला किया, परंतु उसे पराजय का मुँह देखना पड़ा। 1001 ई. में महमूद गजनवी से पराजित होने के बाद उसे एक अपमानजनक संधि करनी पड़ी। जिससे दुःखी होकर उसने चिता में जल कर अपनी जीवन-लीला समाप्त कर ली। जयपाल की मृत्यु के बाद उसके पुत्र आनन्दपाल (1002-1012 ई.) तथा फिर त्रिलोचनपाल (1002-1021 ई.) ने तुर्कों के विरुद्ध निरन्तर संघर्ष किया, परंतु उन्हें भी असफलता का मुँह देखना पड़ा इसके बाद भीमपाल गद्दी पर बैठा। 1026 ई. में भीमपाल की मृत्यु हो गई, जिसके फलस्वरूप हिन्दुशाही राज्य का पतन हो गया। मुहम्मद गौरी के आक्रमण के समय पंजाब में गजनवी वंश का मलिक खुसरो शासन कर रहा था। वह एक अयोग्य एवं विलासी व्यक्ति था।

③ **कश्मीर** → नवीं शताब्दी में अवन्तिवर्मन नामक व्यक्ति ने कश्मीर में उत्पल वंश की स्थापना की। महमूद गजनवी के आक्रमण के समय रानी दिद्दा काश्मीर पर शासन कर रही थी।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

शासन किया। उसने 1028 ई. से 1063 ई. तक शासन किया। उसके समय में महमूद गजनवी ने दो बार काश्मीर पर आक्रमण किया, परन्तु उसे वहाँ कोई सफलता नहीं मिली। संग्राम राज की मृत्यु के बाद काश्मीर में अशान्ति एवं अराजकता फैल गई।

(5) कन्नौज → 9वीं शताब्दी में कन्नौज पर प्रतिहार वंश का अधिकार हो गया था। मिहिरभोज (836-885 ई.) के समय में कन्नौज राज्य की सीमाओं का विस्तार हुआ। परन्तु बंगाल के पालवंशी राजाओं एवं दक्षिणी भारत के राष्ट्रकूट वंश के शासकों से निरन्तर संघर्ष के कारण कन्नौज राज्य की शक्ति क्षीण हो गई। महमूद गजनवी के आक्रमण के समय कन्नौज का शासक राज्यपाल था। वह एक अयोग्य एवं दुर्बल शासक था। जब 1019 ई. में महमूद गजनवी ने कन्नौज पर आक्रमण किया, तो राज्यपाल बिना युद्ध किए ही भाग निकला। परिणामस्वरूप तुर्कों ने कन्नौज को खूब लूटा। महमूद गजनवी के लौट जाने के बाद बुन्देलखण्ड के चन्देल शासक विद्याधर ने पड़ोसी राजपूत राजाओं के साथ राज्यपाल पर आक्रमण कर दिया और उसे मौत के घाट उतार दिया। मुहम्मद गोरी के आक्रमण के समय कन्नौज पर गहड़वाल वंश के राजपूतों का शासन था। गोविन्दचन्द्र इस वंश का एक शक्तिशाली शासक था। उसने 1114 ई. से 1154 ई. तक शासन किया। उसने अपने राज्य [illegible]